खण्ड 'A' SECTION 'A'

1. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिये :
Answer the following questions in about 150 words each : 10×5=50

1.(a) "प्रत्यय कालातीत तथा देशातीत हैं।" प्लेटो के संदर्भ में इस कथन पर प्रकाश डालिए।
"Ideas are timeless and spaceless." Elucidate this statement with reference to Plato. 10

1.(b) "आनुभविक संसार में प्रत्येक वस्तु *द्रव्य* तथा *आकार* का संयुक्त रूप होती है।" अरस्तू के संदर्भ में इस कथन का मूल्यांकन कीजिए।
"In the empirical world, everything is a compound of *Matter* and *Form*." Evaluate this statement with reference to Aristotle. 10

1.(c) सार्त्र द्वारा प्रस्तुत स्व-हेतु-अस्तित्व (बींग-फॉर-इटसैल्फ) तथा स्व-स्थित-अस्तित्व (बींग-इन-इटसैल्फ) के बीच अन्तर की व्याख्या कीजिए।
Explain the difference between being-for-itself and being-in-itself as presented by Sartre. 10

1.(d) "सोने से निर्मित पर्वत बहुत ऊँचा है।" इस वाक्य की रसैल के वर्णन के सिद्धान्त (थियोरी ऑफ डिसक्रिप्शनस) के सन्दर्भ में विवेचना कीजिए।
"The golden mountain is very high." Discuss this statement in the context of Russell's theory of descriptions. 10

1.(e) कांट द्वारा प्रदत्त घटना-संवृति (फेनोमेना) तथा परमार्थसत् (नोमेना) के बीच विभेद को हेगल किस प्रकार चुनौती देते हैं ? विवेचना कीजिए।
How does Hegel challenge Kant's distinction between *Phenomena* and *Noumena* ? Discuss 10

2.(a) बुद्धिवाद की मूल मान्यताएं क्या हैं ? देकार्त किस प्रकार उनके आनुरूप्य में एक दर्शन तन्त्र का निर्माण करते हैं ? विवेचना कीजिये।
What are the basic tenets of *Rationalism* ? How does Descartes build a system of Philosophy in consonance with them ? Discuss. 20

2.(b) "सभी परिच्छेदन/गुण निषेधात्मक है।" स्पिनोजा के संदर्भ में टिप्पणी कीजिए।
"All determination is negation." Comment with reference to Spinoza. 15

2.(c) *कारणता संबंध* का ह्यूम द्वारा खण्डन तथा उस पर कांट के प्रत्युत्तर का परीक्षण कीजिए।
Examine Hume's refutation of *Causal relation* and Kant's response to it. 15

3.(a) "हमें एक ऐसी आदर्श भाषा जो अपना अर्थ तथ्यों से प्राप्त करती हो तथा जिसका सुनिश्चित तार्किक आकार हो, की ओर नहीं देखना चाहिए वरन् हमें अनुभववादी परिपेक्ष्य से उन तरीकों को देखना चाहिए जिनसे भाषा वास्तविक रूप से प्रयोग में लायी जाती है।" इस कथन के संदर्भ में विटगेन्स्टाईन के पूर्ववर्ती विचारों से उनके उत्तरवर्ती विचारों की ओर पारगमन की व्याख्या कीजिए।
"We should look not to an ideal language which derives its meaning from facts and has a precise logical structure but empirically, to the ways in which languages are actually used." Explain the transition from early views of Wittgenstein to his later views on language and meaning with reference to this statement. 20

.(b) तार्किक भाववादियों द्वारा प्रतिपादित अर्थ के सत्यापन सिद्धान्त का विवरण प्रस्तुत कीजिए । इस संदर्भ में "सत्यापनीय" (वेरिफाइबल) शब्द के "सुदृढ़" तथा "दुर्बल/क्षीण" अर्थ को भी विभेदित कीजिए ।
Present an exposition of the verification theory of meaning as propounded by the logical positivists. In this context also differentiate between the "strong" and the "weak" sense of the word "verifiable". 15

.(c) "नीला संवेदना की एक वस्तु है तथा हरा दूसरी, तथा चेतना जो दोनो संवेदनाओं में विद्यमान है, उन दोनों से भिन्न है ।" इस कथन के संदर्भ में मूर द्वारा प्रत्ययवाद के खण्डन का विवरण प्रस्तुत कीजिए ।
"Blue is one object of sensation and green is another, and consciousness, which both sensations have in common, is different from either." Present an account of Moore's refutation of idealism with reference to this statement. 15

.(a) "मैं सोचता हूँ" इस विषय पर हुस्सर्ल की व्याख्या देकार्त की व्याख्या से किस प्रकार भिन्न है ? समालोचनात्मक विवेचन कीजिए ।
How is Husserl's account of "I think" different from that of Descartes ? Critically discuss. 20

4.(b) "चाहे अनुभव की अवस्था किसी भी प्रकार की हो, हमारे परिपूर्ण तन्त्र में हम किसी भी वाक्य के सत्य को प्रतिज्ञापित कर सकते हैं, जब तक कि हम अन्यत्र समायोजन/सामंजस्य करने के लिए तैयार हों ।" इस वाक्य की क्वाईन के *'टू डोग्मास ऑफ एम्पीरिसिज्म'* के प्रकाश में विवेचन कीजिए ।
"We can affirm the truth of any sentence in our total system, in the face of whatever experience, just so long as we are prepared to make adjustments elsewhere." Discuss this statement in the light of Quine's '*Two Dogmas of Empiricism*'. 15

4.(c) बर्कले के नाममात्रवाद के सिद्धान्त तथा उनके द्वारा अमूर्त प्रत्ययों के खण्डन की व्याख्या कीजिए ।
Explain Berkeley's doctrine of nominalism and his refutation of Abstract ideas. 15

खण्ड 'B' SECTION 'B'

5. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिए :
Answer the following questions in about 150 words each : 10×5=50

5.(a) उन आधारों की व्याख्या कीजिए जिनके बल पर *चार्वाक* ज्ञान के वैध स्रोत के रूप में *अनुमान* का निषेध करता है ।
Explain the ground on which *Cārvāka* rejects inference (*anumāna*) as a valid source of knowledge. 10

5.(b) नैयायिकों एवं बौद्धों के मध्य *प्रमाण* एवं *प्रमाणफल* सम्बन्धी संवाद का विवरण प्रस्तुत कीजिये ।
Present an exposition of the debate between Naiyāyikas and Buddhists with reference to the notion of *Pramāṇa* and *Pramāṇaphala*. 10

5.(c) शास्त्रीय भारतीय दर्शन में स्वतः प्रामाण्यवाद तथा परतः प्रामाण्यवाद के सिद्धांतों के मध्य विभेद के प्रमुख बिन्दुओं को रेखांकित कीजिए ।
Delineate the main points of difference between the theory of intrinsic validation (svataḥ prāmāṇyavāda) and theory of extrinsic validation (prataḥ prāmāṇyavāda) in classical Indian philosophy. 10

5.(d) अद्वैत के *मायावाद* के विरुद्ध रामानुज की सप्तानुपपत्तियों की परीक्षा कीजिये।
Examine Rāmānuja's seven objections against *Māyāvāda* of Advaita. 10

5.(e) न्याय-वैशेषिकों के कारणता के सिद्धान्त की व्याख्या प्रस्तुत कीजिए।
Present an exposition of Nyāya-Vaiśeṣika's theory of causation. 10

6.(a) गौतम की प्रत्यक्ष की परिभाषा का विस्तृत विवरण प्रस्तुत कीजिए।
Present a detailed account of Gautama's definition of Perception. 20

6.(b) अद्वैत दर्शन में किस प्रकार जगत के *निमित्तोपादान कारण* के रूप में ब्रह्म की अवधारणा की गयी है, उपयुक्त उदाहरण के साथ विवेचन कीजिये।
How is Brahman conceptualised in Advaita philosophy as both *Nimitta* and *Upādāna Kāraṇa* of the World ? Discuss with suitable examples. 15

6.(c) 'अभाव' के स्वरूप एवं इसके ज्ञान के सन्दर्भ में भट्ट एवं प्रभाकर *मीमांसकों* के बीच संवाद का विवेचन कीजिये।
Discuss the debate between the Bhatta and the Prabhākara *mīmāṁsakas* with reference to the nature of Non-existence (Abhāva) and its knowledge. 15

7.(a) शंकर सांख्य दर्शन को अपना *प्रधान मल्ल* क्यों मानते हैं ? सांख्य दर्शन के विरुद्ध उनके तर्कों का परीक्षण कीजिये।
Why does Śaṁkara consider Sāṁkhya Philosophy as his chief opponent (*pradhāna malla*) ? Examine his arguments against Sāṁkhya Philosophy. 20

7.(b) योग दर्शन में ईश्वर के स्वरूप एवं *कैवल्य* में इसकी भूमिका की व्याख्या कीजिये।
Explain the nature of God and its role in *Kaivalya* in yoga philosophy. 15

7.(c) क्या जैन दर्शन बहुतत्त्ववादी एवं यथार्थवादी है ? आलोचनात्मक विवेचना कीजिये।
Is Jaina philosophy pluralistic and realistic ? Critically discuss. 15

8.(a) वेदांत दर्शन में प्रस्तुत बिम्ब-प्रतिबिम्बवाद की अवधारणा की उसके मोक्षशास्त्रीय महत्त्व सहित विवेचना कीजिए।
Discuss the idea of Bimba-pratibimbavāda as presented in Vedanta philosophy along with its soteriological significance. 20

8.(b) 'सन्यासी एवं जड़वादी दोनों परस्पर निषेध में एकाङ्गी हैं।' इस कथन के आलोक में श्री अरविन्द के समग्र दर्शन की व्याख्या कीजिये।
'Both Ascetic and materialist are partial in their negation of each other'. Explain Sri Aurobindo's integral philosophy in the light of the above statement. 15

8.(c) क्या बौद्धों की निर्वाण की अवधारणा उनके *क्षणिकवाद* एवं *नैरात्म्यवाद* की अवधारणा के साथ संगत है ? समालोचनात्मक विवेचना कीजिए।
Is Buddhist notion of Nirvāna in consonance with their conception of *Kṣanikavāda* (momentariness) and *Nairātmyavāda* (no-soul theory) ? Critically discuss. 15